लोक निवास
दिल्ली–११००५४
LOK NIWAS
DELHI-110054

सत्यमेव जयते

विनय कुमार सक्सेना
उपराज्यपाल
Vinai Kumar Saxena
Lt. Governor

D.O. No. LN/2025/776
Dated: 23 .12.2025

प्रिय श्री अरविंद केजरीवाल जी,

मैंने राष्ट्र की राजधानी दिल्ली के उपराज्यपाल के रूप में लगभग, साढ़े तीन वर्षों का कार्यकाल पूरा कर लिया है। यह काल मेरे लिए बेहद महत्वपूर्ण रहा, और मुझे इस दौरान शासन, राजनीति और जनादेश को बहुत पास से देखने का मौका मिला।

न सिर्फ उपराज्यपाल के रूप में, बल्कि एक साधारण नागरिक की तरह, मुझे आपकी और आपके मंत्रिमंडल के सहयोगी सदस्यों की कार्य शैली, निष्ठा, कार्य क्षमता और कार्य निष्पादकता को, निकट से देखने का अवसर प्राप्त हुआ। एक साधारण नागरिक की तरह ही, मैंने दिल्ली के लोगों को स्पष्ट जनादेश के माध्यम से, आपकी सरकार को सत्ता से हटाने का घटनाक्रम भी देखा।

2. 08 फ़रवरी के जनादेश के बाद, मुझे अपेक्षा थी कि, आप तथा आपकी पार्टी आत्मचिंतन करेगी और अपने में बदलाव लायेगी। मुझे आशा थी कि आप, इस बात को, कम से कम अब, समझ पाएंगे कि इस देश और शहर के लोग, अपनी सरकार द्वारा, अंततः सिर्फ और सिर्फ, काम और विकास होता देखना चाहते हैं।

3. परन्तु बड़े अफ़सोस के साथ मुझे ये कहना पड़ रहा है कि, दिल्ली की हार से, न तो आपने कोई सबक सीखा, और न ही आप में, अथवा आपके हारे हुए सहयोगियों में कोई सकारात्मक बदलाव आया। आज भी आपकी राजनीति, सिर्फ और सिर्फ नकारात्मकता और तथ्यहीन propaganda पर आधारित है।

4. अभी कुछ दिन पहले तक तो सिर्फ आपके सहयोगी ही, आपकी शह पर अनर्गल बयान बाजी कर रहे थे, परन्तु अभी कुछ दिनों से, दिल्ली में वायु प्रदुषण के मुद्दे पर आप भी, पहले ही की तरह खुलकर, अपनी चिर-परिचित दोमुंही राजनीति करने लगे हैं। मात्र दस महीने पुरानी एक सरकार, जो आपके विपरीत, सड़कों पर आपके द्वारा दी गई विरासत को सुधारने का काम कर रही है, उसे आप और आपके सहयोगी निरंतर हतोत्साहित कर रहे हैं।

सत्यमेव जयते

5. इस सन्दर्भ में, सर्व प्रथम मैं आपका ध्यान, इस मुद्दे पर, मेरे और आपके बीच, नवम्बर-दिसम्बर 2022, में हुई चर्चा की तरफ आकर्षित करना चाहूँगा। गंभीर वायु प्रदुषण के बीच मैंने हरियाणा और पंजाब के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखा था, और पंजाब के मुख्यमंत्री को लिखे पत्र की प्रति आपको भी प्रेषित की थी। तदुपरांत जब मैंने आपसे इस मुद्दे की गंभीरता को देखते हुए, इसके समाधान हेतु निर्णायक कदम उठाने को कहा, तो आपको याद होगा कि, आपने मुझसे कहा था, **"Sir, यह हर साल होता है, 15-20 बीस दिन मीडिया इसको उठाती है, activists / courts इसका मुद्दा बनाते हैं, और फिर सब भूल जाते हैं, आप भी इस पर ज्यादा ध्यान मत दीजिये"**। अब इससे अधिक दोयमता क्या होगी?

6. यह सर्वविदित है कि, दशकों से उभरता वायु प्रदुषण का मुद्दा, पहली बार आपके शासन काल में 2016-17 में public emergency के रूप में उभर कर सामने आया। आपने समस्या से निपटने के विपरीत, इस आपदा में भी राजनीतिक हित साधने का कोई अवसर नहीं छोड़ा। Odd-even हो या Smog Towers, Red Light On - Gaadi Off हो, या तत्कालीन पंजाब सरकार पर दोषारोपण, आपने समस्या का समाधान ढूँढने के बजाय, बाकी हर कुछ किया।

7. यह लगभग 11 साल की आपके सरकार की अकर्मण्यता ही थी, जिसके कारण दिल्ली आज इस भयानक आपदा से गुजर रही है। आपने बहुत आसानी से और बहुत ही कम खर्चे में, कम से कम दिल्ली की धूल भरी सड़कों की मरम्मत ही करवा दी होती, footpaths और central verges को कवर करवा दिया होता, तो कम से कम, धूल से उत्पन्न प्रदूषण (PM 10) और आंशिक रूप से (PM 2.5) से तो दिल्ली को निजात मिल जाती। परन्तु आपने ऐसा जान बूझकर नहीं किया।

8. आपने यदि सिर्फ राजनीति के लिए अपनी फोटो लगाने की ज़िद न की होती, तो बहुत पहले ही भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित, e-buses दिल्ली की सड़कों पर चल चुकी होती और vehicular emission जनित NOx, SO, CO और PM 2.5 कम हो गया होता।

9. आपने पड़ोशी राज्यों और भारत सरकार के साथ, टकराव के बजाय यदि आपने समन्वय से काम किया होता, तो दिल्ली आज वायु प्रदुषण की इस आपदा से नहीं गुजर रही होती। परन्तु, अफ़सोस है कि, आपने दिल्ली के लिये तो, कुछ ऐसा नहीं ही किया।

सत्यमेव जयते

10. जब से, आप चुनाव हारे हैं, तब से ही आप और आपकी पार्टी, विपक्षी होने के बजाय, विद्वेषी होने की भूमिका निभा रहे हैं। अपने 11 साल के कार्यकाल में आपकी क्या उपलब्धियां रहीं, यह किसी से छुपी नहीं है। दिल्ली की जर्जर सड़के, सीवर के गंदे पानी से भरी बदहाल सड़के- गलियां और मोहल्ले, गाद से भरे नाले, कूड़े के तीन पहाड़ तथा दूषित आबोहवा, आपकी विफलताओं का प्रत्यक्ष प्रमाण और पहचान सी बन गई थीं।

11. दुर्भाग्यवश आपकी यह भी विशेषता है कि, आप स्वयं तो कुछ नहीं ही करते, बल्कि जब दूसरा भी कुछ सकारात्मक करता है, तो आप और आपके सहयोगी, करने वाले व्यक्ति के ख़िलाफ़ निम्नतर स्तर की राजनीति, तथा घटिया propaganda war, शुरू कर देते हैं। इस बात का हालिया उदाहरण, दिल्ली में DDA द्वारा शुरू किये गए 'हॉट एयर बलून' सुविधा के विरुद्ध आपकी पार्टी द्वारा चलाया गया negative campaign है, जिसे दिल्ली के लोगों ने बखूबी देखा और नकार दिया।

12. आपने क्या किया, और क्या नहीं किया, इसका विस्तृत वर्णन तो मैं, इसी पत्र में बाद में दूंगा, परन्तु अभी मैं आपको इस बात से अवगत करना चाहूँगा कि पिछले मात्र तीन वर्षों में, आपके घोर विरोध के बावजूद, दिल्ली को क्या-क्या नया हासिल हुआ।

13. आपकी सरकार की उपेक्षा के कारण दमघोंटू ज़िन्दगी जीने को मजबूर, दिल्ली वासियों को, वर्षों बाद, DDA द्वारा असिता, बांसेरा, यमुना वाटिका, वसुदेव घाट, अमृत उद्यान, वैष्णवी उद्यान, क्रांति उद्यान और सद्भावना पार्क जैसे अनेक विस्तृत, हरित क्षेत्र उपलब्ध करवाए गए, जहां आज हजारों की संख्या में लोग, रोजाना अपने परिवारों के साथ, इन सुविधाओं का लाभ उठा रहे हैं।

14. इन हरे भरे, फूलों से सुसज्जित पार्कों के अलावा, हमने ऐतिहासक विरासत के पुनर्वास के भी सफ़ल प्रयास किये। दक्षिण दिल्ली स्थित Mehrauli Archaeological Park तथा संजय वन और उत्तर दिल्ली में स्थित St. James Church, शालीमार बाग़ तथा रोशनारा बाग़ और रोशनारा क्लब जैसे महत्वपूर्ण ऐतिहासिक धरोहरों को समयबद्ध तरीके से पुनर्जीवित किया गया।

15. DDA ने हज़ारों की संख्या में, झुग्गीवासियों, निम्न आय वर्ग तथा मध्य आय वर्ग के लोगों को, आधुनिक सुविधाओं के लैस मकान उपलब्ध करवाए।

सत्यमेव जयते

16. हर दिल्लीवासी, यह जानता है कि, शहर में खेलने अथवा शारीरिक व्यायाम इत्यादि के लिए, कोई जगह मौजूद नहीं थी। आपकी सरकार ने तो, आपके तहत आनेवाले स्टेडियमों को भी खेलों से अलग कर, राजनीति का अखाड़ा बना दिया था। परन्तु DDA ने इस प्रतिकूल माहौल में भी, लोगों को आपकी सरकार द्वारा दिए जा रहे, अवसाद के बीच, खेलने, व्यायाम और मनोरंजन के अभूतपूर्व साधन और स्थल उपलब्ध करवाए।

17. पिछले तीन वर्षों में ही, द्वारका में नए Golf Course, Pickleball और Padball जैसी खेल सुविधाओं की शुरुआत की गयी तथा world class Ice Skating Rink की आधारशिला रखी गई, जो लगभग 10 महीने में बन कर तैयार हो जाएगा। Yamuna Sports Complex तीरंदाजी का हब बना दिया गया, और Siri Fort सहित 17 अन्य Sports Complexes में विभिन्न खेलों के Centre of Excellence विकसित किए जा चुके हैं। इसके अलावा बाहरी दिल्ली के अनेक गांवों में, Mini Sports Complexes तथा हर नए पार्क में Gymnasium की सुविधा उपलब्ध कराई गई। यदि आप चाहते तो आप भी अपनी सरकार द्वारा इस तरीके की सुविधाएं क्रिएट कर सकते थे परन्तु यह सब आपकी सोच के दायरे में आता ही नहीं है।

18. इसके अतिरिक्त, पूर्वी दिल्ली के कड़कड़डूमा स्थित, उत्तर भारत का पहला TOD Complex बन के तैयार है, जो आपकी सरकार द्वारा पूर्ण रूप से उपेक्षित, पूर्वी दिल्ली इलाके को विकास के नए आयाम देगा। इसी प्रकार लगभग 250 एकड़ में फैला द्वारका स्थित, देश में अनोखा, भारत वंदना पार्क भी लगभग बन कर तैयार है, जिसका उद्घाटन शीघ्र ही कर दिया जाएगा।

19. आपकी सरकार द्वारा विधिवत तौर पर उपेक्षित नरेला – बवाना के इलाके में DDA, दिल्ली का पहला Education Hub, world class stadium, 5-star hotel और Super speciality Hospital विकसित कर रहा है। भारत सरकार ने Rithala-Narela-Kundli मेट्रो लाइन को भी मंजूरी दे दी है और इस पर तेजी से काम जारी है।

20. आपको याद दिलाना चाहूँगा, कि Narela Education Hub के development के लिए जब मैंने आपसे Budget में मात्र 500 करोड़ रुपये आवंटित करने का अनुरोध किया, ताकि दिल्ली सरकार के ही विश्वविद्यालय अपने नए परिसरों के लिए रियायती दरों पर DDA से जमीन खरीद सकें, तो आपने यह 500 करोड़ रुपये

सत्यमेव जयते

भी देने से मना कर दिया था। हालांकि, अब नई सरकार ने अपने पहले बजट में ही यह राशि आवंटित कर दी और इसका भुगतान भी DDA को कर दिया।

21. इसी प्रकार दिल्ली मेट्रो को भी, Rithala-Narela-Kundli के निर्माण में, आपने उनके हक का 900 करोड़ रुपया अंत तक नहीं दिया, जिसकी वजह से यह प्रोजेक्ट विलंबित रहा। अब, इस खंड के निर्माण के लिए भी, नई सरकार द्वारा financial commitment कर दिया गया है। यह योजना, public transport को सशक्त कर, प्रदूषण रोकने मे भी कारगर साबित होगी ।

22. आज दिल्ली का हर नागरिक, DDA द्वारा विकसित उपरोक्त पार्कों में चैन और मनोरंजन के कुछ पल गुज़ार सकता है। इसी क्रम में 'हॉट एयर बलून' की सुविधा भी राजधानी में पहली बार उपलब्ध कराई गई, जिसका दिल्लीवासियों ने जम कर स्वागत किया। परन्तु अफ़सोस, आप और आपके सहयोगियों ने फिर वही नकारात्मक, निराशाजनक राजनीतिक रवैया अपनाया, जिसका जवाब दिल्ली की जनता ने स्वयं, इस सुविधा का भरपूर उपयोग कर के, दे दिया।

23. केजरीवाल जी, राजनीति हमारे संवैधानिक लोकतंत्र के मूल में समाहित वह धारा है जिसके अनवरत प्रवाह ने इस देश को 75 वर्षों में नई दिशा दी है। राजनीति सभी ने की, परंतु सभी का मूल उद्देश्य व भाव, काम करने का रहा और सर्वोपरि ध्येय राष्ट्रहित और जनहित ही रहा। पर आपकी सोच में देश और जनहित कहीं आता ही नहीं।

24. **मुख्यमंत्री रहते हुए आपने 11 वर्षों के दौरान राजनीति, संविधान और लोकतंत्र की प्रत्येक मर्यादा का विधिवत विनाश किया। इसके कुछ उदाहरण मैं आपकी स्मृति के लिए वर्णित कर रहा हूँ।**

25. देश की संवैधानिक व्यवस्था में शासकीय एवं प्रशासकीय कार्यों को संपादित करने के लिए एक विधिवत ढांचा दिया हुआ है। यह जानकर मुझे आज भी आश्चर्य होता है कि मंत्रिमंडल के मुखिया के रूप में आपने मुख्यमंत्री रहते हुए एक भी विभाग की जिम्मेदारी अपने ऊपर नहीं ली, जो पूरे देश में एकमात्र उदाहरण है। इसी तरह, आप शायद देश के एकमात्र ऐसे मुख्यमंत्री रहे होंगे, जो जिम्मेदारियों से बचने के लिए फ़ाइलों पर हस्ताक्षर तक नहीं करते थे।

सत्यमेव जयते

26. यह सर्वविदित है कि किसी भी सरकार के मंत्रिमंडल की नियमित बैठकें हुआ करती हैं, और आपके पूर्ववर्ती सरकारों में भी नियमित साप्ताहिक बैठकें हुआ करती थी, लेकिन आपके कार्यकाल में इस संवैधानिक आवश्यकता को लगभग समाप्त कर दिया गया, और कैबिनेट के निर्णय ज्यादातर Circulation के माध्यम से किए जाने लगे। इसका सीधा अर्थ यह हुआ, कि महत्वपूर्ण शासकीय निर्णयों में भी, न कोई संवाद हुआ, और न ही कोई विचार-विमर्श।

इन मौलिक संवैधानिक जिम्मेवारियों का भी आपके द्वारा निर्वहन न किया जाना, इस बात को इंगित करता है कि दिल्ली की जनता के प्रति आप कितने संवेदनहीन रहे और उनके प्रति अपनी कोई जिम्मेदारी ही नहीं समझी।

27. आपके शासन के 11 वर्षों में लिए गए आपके निर्णयों, घोषणाओं और खर्चों का न तो कोई लेखा-जोखा उपलब्ध है, न कोई परिणामपत्र। यहाँ तक कि संविधान द्वारा अनिवार्य की गई CAG की Reports को भी आपकी सरकार ने मेरे हस्तक्षेप के बाद भी सदन के पटल पर नहीं रखा। अंततः, वह सारी CAG Reports, नई सरकार ने सदन के पटल पर रखी। यह दर्शाता है कि नियमों, क़ानूनों एवं शासकीय व्यवस्थाओं में आपका विश्वास कभी था ही नहीं।

28. घोषणाओं, विज्ञापनों, ट्विटर पोस्ट और अखबार की खबरों पर 11 वर्षों तक बिना कोई उल्लेखनीय काम किये, सरकार चलाने का अद्‌भुत उदाहरण आपने स्थापित किया। ऐसा तब रहा, जबकि दिल्ली में दिल्ली पुलिस, दिल्ली विकास प्राधिकरण, एनडीएमसी, कैंटोनमेंट बोर्ड, केन्द्रीय विश्वविद्यालयों, केन्द्र सरकार के अस्पतालों, शासकीय कर्मियों के पेंशन इत्यादि का हज़ारों करोड़ रुपये का संपूर्ण व्यय भारत सरकार उठाती है। इसके अलावा NHAI के माध्यम से दिल्ली में क्रियान्वित किये जा रहे अनेक सड़क परियोजनाओं पर, विगत वर्षों में, लगभग 40,000 करोड़ रुपये का व्यय भी केंद्र सरकार द्वारा वहन किया गया।

29. उदाहरण के तौर पर, 500 नये स्कूल बनाने का वादा कर आपने, लगभग कुछ नहीं किया। इसके अतिरिक्त, स्कूल शौचालयों को कक्षा के रूप में गिन कर आँकड़े बढ़ाने के आपकी सरकार के कीर्तिमान अब सर्वविदित हैं।

30. चाहे NDMC के 4400 Muster Roll कर्मचारियों को केन्द्रीय गृह मंत्रालय द्वारा नियमित किया जाना हो, GGSIPU के East Delhi Campus के निर्माण ,या

सत्यमेव जयते

DDA द्वारा द्वारका में बनाए गए एक विशाल पार्क का मामला हो, इनका झूठा श्रेय लेने में आपने कोई कसर नहीं छोड़ी, जो आपकी कार्यशैली के अद्‌भुत उदाहरण हैं।

31. आपकी सरकार ने 11 वर्षों में दिल्ली में एक भी नया अस्पताल नहीं बनाया। अपने आखिरी 05 साल में, आपने पुराने अस्पतालों में Bed Capacity बढ़ाने का वादा किया था, पर आप यह कार्य भी नहीं कर पाये, क्योंकि मीडिया में प्रसारित खबरों के अनुसार, इस हेतु आप के पास 600 करोड़ रूपए नहीं थे। परंतु इन्हीं 05 वर्षों के दौरान आपने विज्ञापनों पर कुल 2500 करोड़ रूपए खर्च कर दिए। अगर इसी तर्ज पर आपने इसका एक-चौथाई भी अस्पतालों पर खर्च करने का मन बना लिया होता, तो आसानी से 600 करोड़ रुपये की पूर्ति हो गई होती और दिल्लीवासियों को 14,000 अतिरिक्त मेडिकल बेड, समय रहते उपलब्ध हो गए होते।

32. इसी प्रकार कई मामलों में भारत सरकार द्वारा funded जनहित की अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाओं जैसे Expansion of AIIMS and IIT Delhi, Development of Metro, UER, GPRA Colony, RRTS, Underpass, Over Bridge, आदि के लिए आपने tree-cutting/transplantation की permission न दे कर, 5-6 वर्षों तक बेवजह रोड़े अटकाये, जिससे न सिर्फ़ परियोजना की लागत में अप्रत्याशित वृद्धि हुई बल्कि दिल्ली की आम जनता का कितना नुकसान हुआ, इसका हिसाब लगाना नामुमकिन है।

33. 11 वर्षों तक, राज्य खाद्य आयोग का गठन हो, PDS/FPS की Social Audit या Animal Welfare Board का गठन हो, आपकी सरकार ने माननीय उच्चतम न्यायालय और दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेशों की लगातार अवमानना करते हुए, दिल्ली के लोगों को उनके अधिकारों से वंचित रख कर, आपने अपने द्वारा प्रचारित "शानदार शासन" की अद्‌भुत मिसाल पेश की है।

34. यमुना की सफाई में आपकी सरकार ने साल दर साल अकर्मण्यता व संवेदनहीनता के नए रिकॉर्ड स्थापित करते हुए हर साल एक नए वादे और समय सीमा का सफलतापूर्वक प्रचार किया। कुछ यही हाल कूड़े के पहाड़ों के निपटान, सड़कों की मरम्मत, वायु प्रदूषण के समाधान और साल दर साल, जल भराव से दिल्ली को मुक्ति दिलाने के, आपके वादों का भी रहा है। 2023 और 2024 में, जलभराव से हुई दिल्ली की बदहाली, 11 साल की आपकी सरकार की अकर्मण्यता का उदाहरण नहीं तो और क्या है? क्या ऐसा इसलिए नहीं हुआ कि दिल्ली की sewer lines की 11

सत्यमेव जयते

वर्षों में desilting नहीं हुई, जिसके कारण ये 80-90 प्रतिशत तक choked रहीं। Sewer lines और stormwater drains, आपस में interconnected हो गई हैं, जिसके कारण पानी निकासी की बजाय, सड़कों और मोहल्लों में sewer और नालियों का पानी backflow होकर न सिर्फ़ जलभराव कर रहा है अपितु अनेक बीमारियों को जन्म दे रहा है। आश्चर्य की बात है कि भारत की राजधानी में आपने कोई drainage plan ही नहीं बनाया था, और अब नई सरकार यह प्लान ले कर आयी है। दिल्लीवासियों के प्रति आपकी यह गंभीर उदासीनता, किसी प्रकार से क्षमा योग्य नहीं है।

35. जहाँ प्रत्येक साल पानी की कमी से दिल्ली में हाहाकार मचता हो, वहीं आपकी सरकार ने पानी जमा करने वाले वज़ीराबाद Reservoir में गाद को पिछले 11 साल से जमा रखा, जिससे, Reservoir की क्षमता घट कर मात्र 4% तक रह गई। आखिरकार, माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय ने इसकी गंभीरता को समझते हुए, इस कार्य को 04 हफ्तों में पूरा कराने के लिए, आपके मन मुताबिक ठेकेदार के बजाय, lowest bidder को देने का आदेश पारित किया। इसके बावजूद भी आपने Reservoir की सफाई नहीं कारवाई। हालांकि, इस दौरान आप हमेशा की तरह, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और मानसून को दोषी बता कर, दिल्ली की जनता को उनकी शुद्ध व आवश्यक पेयजल की माँग पर भ्रमित करते रहे।

36. आपकी सरकार द्वारा जारी आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया कि दिल्ली के लिए लगभग 90% पीने का पानी पड़ोसी राज्यों से प्राप्त होता है। इसी सर्वेक्षण के अनुसार, दिल्ली में लगभग 58% पीने का पानी, वितरण के दौरान बर्बाद हो जाता है। वितरण में यह बर्बादी इसीलिए होती है, क्योंकि पुराने, क्षतिग्रस्त और जगह जगह फटे और रिसते पाइपलाइनों से यह पानी नागरिकों तक पहुँचने के बजाय, व्यर्थ बह जाता है। आपके कार्यकाल में, टैंकर माफिया द्वारा पानी की चोरी, आम बात हो गई थी। पिछले 11 वर्षों, में इन फटी पाइपलाइनों को बदलने पर न कोई ध्यान दिया गया न ही इन्हे रिपेयर करने का सीरियस एटेम्पट किया गया। Pipelines के फटने और रिसने का परिणाम यह हो रहा है, कि आज भी पीने के पानी में sewer का पानी मिल जाता है, और दिल्ली की आम जनता को दूषित व संक्रमित पानी पीने को मजबूर होना पड़ता है। बेशक, आप और आपके मंत्री, पानी की हर कमी के लिए पड़ोसी राज्यों पर दोष मढ़ राजनीति करते रहे, पर इस दिशा में आपकी सरकार की अकर्मण्यता, आपराधिक नहीं थी, तो क्या थी?

सत्यमेव जयते

37. नई सरकार द्वारा इस पर कार्य शूरु किया गया है, जिसे ठीक करने में समय लगेगा। आजकल आपके कुछ हारे हुए नेता, आए दिन कभी यमुना किनारे और कभी गलियों, मोहल्लों में पानी के samples लिए यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि वर्तमान सरकार लोगों के घरों में गंदा पानी सप्लाइ कर रही है। अगर आपके मंत्री और नेता इसी तत्परता से अपने 11 साल के कार्यकाल में मोहल्लों, गलियों और यमुना का निरीक्षण करते, तो शायद उन्हें हकीकत का ज्ञान हो गया होता और आज खुद को relevant बनाए रखने के लियें यूं सड़कों पर मारे मारे न फिरना पड़ता।

38. Excise Policy का मसला हो या आपके निवास पर किये गए 52 करोड़ रूपए से अधिक का खर्च, आपके और आपके मंत्रियों के जेल जाने का मुद्दा हो या Feedback Unit (FBU) द्वारा ख़ुफ़िया जासूसी, जल बोर्ड में भ्रष्टाचार हो या शिक्षा के आंकड़ो का Manipulation, दुकानदारों को 24x7 दुकान खोलने की अनुमति हो या सरकारी खर्च पर राजनीतिक विज्ञापन देना, आपने अपनी इन सभी "उपलब्धियों" को दूसरों के सर मढ़ कर, अपनी जिम्मेदारियों से बचने का निंदनीय कार्य किया। दिल्ली में वायु प्रदूषण का मुद्दा भी आपकी इस "क़ाबिलियत" का विशिष्ट उदाहरण है।

39. यही नहीं, जब उपराज्यपाल के रूप में मेरे समक्ष ये विषय आये, तो मैं इनको जनहित में न उठाऊं, इसके लिए आपने साम, दाम, दंड, भेद – सभी युक्तियों का प्रयोग मेरे विरुद्ध किया। जब मुझे रोकने में साम, दाम और भेद काम नहीं आ सके तब आपने अपने चिर-परिचित अंदाज में, मुझ पर और मेरे परिवार पर व्यक्तिगत और आधारहीन आक्षेप लगा कर, दंड की विधा का भी असफल प्रयास किया।

40. प्रत्येक सरकार विधानसभा का विशेष सत्र जनहित के तात्कालिक व अतिमहत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करने के लिए बुलाती है ताकि आमजन को तत्काल राहत प्रदान की जा सके, परन्तु आपने अपनी नकारात्मक नवाचार शैली के द्वारा विधानसभा का विशेष सत्र आपकी असफलताओं पर प्रश्नचिन्ह लगाने वाले संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों के लिए अमर्यादित व अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करने के लिए किया, जिसका देश में कहीं और समानांतर उदाहरण देखने को नहीं मिलता है।

41. न चाह कर भी इस पत्र में, मैं, आपके दोहरे व्यक्तित्व और आचरण के बारे में लिख रहा हूँ, ताकि आपने, अपनी जो सार्वजनिक छवि बना रखी है और उसके विपरीत, परस्पर व्यवहार में, आपका जो व्यक्तित्व सामने आता है, उसकी सच्चाई उन आम लोगों के सामने आ सके, जिनके प्रति आप जवाबदेह हैं।

सत्यमेव जयते

42. आप अपनी स्वार्थ सिद्धि के लिए, सार्वजनिक तौर पर सफ़ेद झूठ बोलते हैं, इसका पहला व्यक्तिगत कड़वा अनुभव मुझे तब हुआ, जब आपने मेरे साथ दिनांक 13.01.2023 को हुई बैठक के तुरंत बाद, मीडिया को संबोधित करते हुए, यह कहा कि **"LG ने कहा है कि वो संविधान और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को नहीं मानते"**, जबकि मैंने ऐसी कोई बात नहीं कही थी और मेरे सचिवालय ने आपके इस झूठे बयान का खंडन भी किया था। जाहिर तौर पर, ऐसा बयान देकर आपकी मंशा लोगों और माननीय उच्चतम न्यायालय को गुमराह और पूर्वाग्रहग्रस्त करने की थी।

43. जब मैंने अपने परिवार पर, आपकी पार्टी और सहयोगियों द्वारा किये जा रहे झूठे हमले आपके समक्ष रखे, तो आपने कहा कि आपको इसका कोई संज्ञान नहीं है। जब मैंने कहा कि, आपके आदेश के बिना आपके सहयोगी ऐसा कुछ नहीं कर सकते, तो आपने कहा कि, **"आप इन सबको जो सजा देना चाहें, दीजिये। फांसी पर चढ़ा दीजिये... मैं आपके साथ हूँ। मैंने किसी को भी आपके विरुद्ध बोलने को नहीं कहा था"** । इससे ज्यादा चारित्रिक दोयमता क्या होगी?

44. May 2022 में, जब मैंने कार्यभार संभाला, और आपसे बातचीत का अवसर प्राप्त हुआ, तो मुझे यह बात जान कर हैरानी हुई कि 07 वर्षों से दिल्ली का मुख्यमंत्री होने के बावजूद आपको तब तक नजफगढ़ नाला या असोला भाटी माईन्स जैसी जगहों का कोई ज्ञान ही नहीं था। जब मैंने यमुना को सबसे ज्यादा प्रदूषित करने वाले नजफगढ़ नाले की सफाई का कार्य शुरू किया, तो आपने इसको रोकने में कोई कसर नहीं छोड़ी। आपको ये भी नहीं पता था कि भाटी माइंस की विशाल खाइयों में, जहां दिल्ली के उपयोग हेतु, 15 दिन से ज्यादा का बरसाती पानी जमा किया जा सकता है, वहीं इनका इस्तेमाल आसपास के बड़े इलाके में जलभराव का कारण बनने वाले अतिरिक्त पानी को divert करने के लिए भी किया जा सकता है। इसी दौरान मैंने 17 बार यमुना और 15 बार नजफ़गढ़ नाले का निरीक्षण कर, इनको कैसे पुनर्जीवित किया जाए, इसकी कार्ययोजना को क्रियान्वित किया। मुझे याद है कि आपने राज निवास में एक मीटिंग में जहाँ आपके कई मंत्री भी मौजूद थे ये कहा था कि हम LG साहब द्वारा किया जा रहे नजफगढ़ नाले और यमुना की सफाई में उनके साथ हैं और उनका सहयोग करेंगे, लेकिन मात्र चार दिन पश्चात ही Supreme Court में याचिका दायर कर, आपने मेरे इन प्रयासों पर भी Stay लगवा दिया। यह आपके true character को दर्शाता है। ऐसे प्रयास अगर आपने अपने 11 वर्षों मे किए होते तो यमुना की ये दशा न होती।

सत्यमेव जयते

45. 11 साल तक दिल्ली का मुख्यमंत्री रहने के बावजूद आपने भलस्वा, गाजीपुर एवं ओखला स्थित कूड़े के पहाड़ों को कभी नजदीक से देखा तक नहीं था। दिल्ली नगर निगम को दिल्ली सरकार द्वारा दी जाने वाली अपेक्षित धनराशि को रोक कर आप सिर्फ दोषारोपण करने में व्यस्त रहे। आप तब जागे, जब मैंने इनका नियमित दौरा कर कार्य योजना बनाते हुए इनके निपटान की ठोस प्रक्रिया शुरू कर दी व NHAI, DDA, सीमेंट कंपनियों आदि को inert, RDF एवं C&D waste देने की व्यवस्था की जिससे अल्प समय में ही कूड़े के पहाड़ों की ऊँचाई कम होना शुरू हो गई। पहले तो आपने इसका श्रेय लेने की कोशिश की, और जब आप इसमें विफल रहे, तो मेरे इन प्रयासों पर भी Supreme Court से रोक लगवा दी।

46. आपने लगभग 450 निजी व्यक्तिओं को पूर्णतः गैर क़ानूनी ढंग से सरकार में Advisor, Consultant, Fellow आदि पदों पर नियुक्त किया। 60,000 रूपए से लेकर 2,65,000 रुपये प्रतिमाह तक के वेतनमान पर इन व्यक्तिओं की नियुक्ति में संविधान द्वारा अनिवार्य, अनुसूचित जाति/जनजाति और पिछड़े वर्ग के लिए आरक्षण की नीति का पालन नहीं किया गया। इसके विपरीत, मेरे प्रयासों से Services Department ने 03 साल की अल्प अवधि में 30,000 से अधिक लोगों को, आरक्षण नियमों का पालन करते हुए, पक्की सरकारी नौकरियां उपलब्ध कराई। इनमें, मुख्यतः, doctors, teachers, principals समेत अनेक सरकारी विभागों के कर्मचारी व अधिकारी शामिल हैं। इसी प्रकार आपकी उपेक्षा के कारण दशकों से लंबित, 1984 सिख-दंगा पीड़ित परिवार के सदस्यों को, अंततः मेरे हस्तक्षेप से 2024 में, नौकरियां प्राप्त हुई।

47. भारत सरकार ने दिल्ली में व्याप्त परिवहन और प्रदूषण की समस्या के दूरगामी समाधान हेतु RRTS परियोजना की शरुआत की थी। इस परियोजना के दिल्ली-गाज़ियाबाद-मेरठ खंड पर आने वाले 30,274 करोड़ रुपये के खर्चे में आपकी सरकार को मात्र रु 1180 करोड़ देने थे, वो भी किश्तों में। आपकी सरकार ने उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के बावजूद, अपने हिस्से की राशि का पूरा भुगतान नहीं किया, जिससे प्रोजेक्ट के निर्माण में बाधा उत्पन्न हुई। माननीय उच्चतम न्यायालय के दिनांक 06.03.2019 के आदेश के बाद आपने किश्तों में इस राशि का भुगतान किया। यहाँ यह उल्लेखित करना उचित होगा कि इन राशियों का भुगतान किसी बजटीय प्रावधान के तहत नहीं, बल्कि **Environmental Compensation Cess** के माध्यम से जमा राशि से किया गया। जहां एक तरफ आपने इस महती योजना के मद में बजटीय

सत्यमेव जयते

आवंटन करना जरूरी नहीं समझा, वहीं वर्ष 2020-21 से लेकर 2024 -25 तक आपने अपने विज्ञापन के मद में लाभग 2300 करोड़ रुपये का बजटीय आवंटन किया।

दुर्भाग्यपूर्ण तो यह है, कि आपने उच्चतम न्यायालय को यह बताया कि, आपकी सरकार के पास RRTS Project के लिए 415 करोड़ रुपये नहीं हैं, जिस पर बाध्य हो कर माननीय न्यायालय को आपसे यह पूछना पड़ा कि पिछले 03 वर्षों में आपकी सरकार ने विज्ञापन पर कितना खर्च किया है? इस दोयमता को किन विशेषणों से परिभाषित किया जाए, यह मेरी समझ से परे है।

48. इसी प्रकार आपकी सरकार द्वारा बहुप्रचारित Business Blasters Program में जहाँ शिक्षा विभाग द्वारा युवा उद्यमियों को मात्र 60 करोड़ रुपये की "Seed Money" वितरित की गई, वहीं इसके प्रचार-प्रसार में वर्ष 2021-22 के दौरान 87.16 करोड़ रुपये खर्च किए गए। कुछ यही हाल आपकी सरकार द्वारा प्रचारित Bio–Decomposer project का रहा, जहाँ परियोजना की कुल लागत मात्र 41.68 लाख रुपये थी, वहीं इसके प्रचार पर आपने 16.94 करोड़ रुपये खर्च किए। क्या दिल्ली की भोली-भाली जनता ने आपको अपनी गाढ़ी कमाई के ऐसे दुरुपयोग के लिए चुना था?

49. हद तो जनवरी-फरवरी, 2023 में आपके द्वारा प्रस्तावित "Shopping Festival" के मामले में हुई। जहाँ ऐसा कोई festival आयोजित ही नहीं हुआ, वहीं इसके प्रचार में आपने 8.12 करोड़ रुपये खर्च कर डाले। क्या जनादेश आपको सरकारी पैसे की ऐसी बर्बादी का licence देता है?

50. दिल्ली- हरियाणा के बॉर्डर पर स्थित सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों की आपकी सरकार ने कभी सुध नहीं ली व इन ग्रामों के लोगों को उनकी मूलभूत आवश्यकताओं से सदैव वंचित रखा। मैंने DDA द्वारा 'दिल्ली ग्रामोदय अभियान' के माध्यम से, इन गाँवों में विकास कार्य शुरू करवाए और अल्प समय में योजनाबद्ध तरीक़े से विकास कार्य पूर्ण भी कराए। इसी प्रकार अन्य ग्रामों में भी अनेक विकास कार्य प्रगति पर हैं जबकि इस अविकसित क्षेत्र की आधारभूत आवश्यकताओं एवं सुविधाओं का ख़्याल रखने के दायित्व से आपकी सरकार हमेशा विमुख रही।

Incidents तो अनेक हैं, पर एक का मैं विशेष उल्लेख करना चाहूँगा। साल 2023 में, दशहरा-दिवाली के ठीक पहले, आपने फाइल पर लिखित निर्णय लेकर लगभग

सत्यमेव जयते

10,000 Civil Defence Volunteers, जिन्हें Bus Marshalls के रूप में तैनात किया गया था, को तत्काल प्रभाव से हटाए जाने का प्रस्ताव मेरे पास भेजा। आपके प्रस्ताव को मैं संवैधानिक रूप से रोक तो नहीं सकता था, परंतु मैंने यह लिखते हुए फाइल आपको वापस भेजी, कि इन गरीब लोगों के लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था की जाए। परंतु, इसके बावजूद आपके और आपके सहयोगियों ने हमेशा की तरह सफेद झूठ बोलते हुए, इसको हटाए जाने का दोष मेरे ऊपर ही मढ़ दिया। हालाँकि, आपके लाख दुष्प्रचार के बावजूद, Bus Marshalls ने सच्चाई को समझा और आपके और आपके साथियों के झूठ को सिरे से नकार दिया।

51. जुलाई 2024 में जब राजेन्द्र नगर के एक कोचिंग इंस्टिट्यूट के बेसमेंट में बाढ़ का पानी भर जाने से तीन युवा छात्रों की त्रासद मृत्यु हो गई, तब आप दिल्ली का शासन जेल से चला रहा थे। इस दुर्घटना के पश्चात, मैं तत्काल वहां पहुंचा, पर आपके स्थानीय विधायक और एक मंत्री, इस समय भी बयानबाजी कर, आरोपों की घटिया राजनीति कर रहे थे और हमेशा की तरह आपकी delivery राजनीति तक ही सीमित रही। जहाँ आपकी सरकार ने समस्या के निदान के लिए कुछ भी नहीं किया, वहीं DDA ने छह महीने के अन्दर ही, राजेन्द्र नगर में छात्रों को पढ़ने के लिए, हर आधुनिक सुविधा से लैस "आरंभ पुस्तकालय" का निर्माण कर, उसको छात्रों के लिए खोल दिया। अब ऐसे ही, चार "आरंभ पुस्तकालय", अधचिनी, रोहिणी तथा द्वारका में चल रहे हैं। अफ़सोस के साथ कहना पड़ रहा है, कि आपमें, अथवा आपके सहयोगियों में, लोगों की समस्या से निपटने की न तो नीति थी, और न ही नीयत।

52. जैसा कि मेरा अनुभव रहा, आपकी न तो कोई विचारधारा है, न ही कोई सिद्धांत। दिल्ली के विकास से आपका दूर-दूर तक कोई सरोकार नहीं रहा, और अपने 11 वर्षों में, आपने विज्ञापनों के अलावा दिल्ली तथा दिल्लीवासियों को घोषणाओं के माध्यम से गुमराह करने के अलावा कुछ नहीं किया। लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के बजाय, आपने उनके अभाव का फ़ायदा उठाया। सोचिए, यदि DDA जैसी संस्था, जिसका बजट औसतन 8000 करोड़ रुपये का होता है, वह इतने काम समय मे इतने काम कर सकती है, तो आपकी 80,000 करोड़ रुपये बजट वाली सरकार, 11 साल में development के क्या क्या कार्य कर सकती थी।

नि:सन्देह, आप तीन चुनाव जीते, परंतु आपकी हर एक जीत में दिल्ली की जनता की लगातार हार हुई।

सत्यमेव जयते

53. यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी कि आप और आपकी सरकार ने "Master of Announcements and Execution of None" की कहावत को पूर्णतः चरितार्थ किया। पर एक और कहावत है, "You can't make all the people fool, all the time". आखिरकार, दिल्ली के लोग आपके मायावी जाल से निकले, और फ़रवरी 2025 में आपको सत्ता से बाहर कर ही दिया।

54. सत्ता से बाहर होकर, आपको एक मजबूत और सकारात्मक विपक्ष की भूमिका निभानी थी, परन्तु आप दिल्ली से गायब ही हो गए और दूर बैठ कर दिल्ली में होने वाले सकारात्मक कार्यों में विघ्न डालने और बेवजह आलोचना और दुष्प्रचार के सूत्रधार बन गए । यमुना और वायु प्रदुषण के मुद्दे पर, आपको सरकार के साथ मिल कर काम करना चाहिए था, परन्तु आपके सहयोगी सिर्फ तथ्यहीन दोषारोपण में ही व्यस्त हैं। आप दिल्ली कब आते हैं, किसी को पता भी नहीं चलता।

55. 11 साल के आपकी अकर्मण्यता ने दिल्ली के सम्मुख विकराल समस्याएँ प्रस्तुत कर दी हैं, इनसे निबटने में और दिल्ली को ठीक करने में समय लगेगा। फिर भी मुझे कहने में गुरेज़ नहीं है कि, अल्पकाल में ही, वर्तमान सरकार द्वारा उठाये गए क़दमों के कारण धीरे-धीरे वांछित परिणाम दिखने लगे हैं। इस साल रिकॉर्ड बारिश के बावजूद, शहर में पिछले सालों की तुलना में जल भराव कम हुआ। मैं यह नहीं कह रहा कि दिल्ली में सब कुछ ठीक है, पर एक बड़ा बदलाव आया है। आपके विपरीत, इस सरकार की नीयत काम करने की है, झूठी और बनावटी राजनीति की नहीं।

56. मुझे आप और आपके सहयोगी निरंतर अपशब्द कहते रहे हैं क्योंकि, मैं दिल्ली के लोगों के हित में काम करता हूँ। मेरे काम करने से यदि आपकी अकर्मण्यता उभर कर लोगों के सामने आई है, तो इसमें मेरा कोई दोष नहीं है।

यदि काम करने के एवज में किसी को गालियाँ दी जाने लगें, तो आप स्वयं विचार करें कि काम न करने वाले लोग क्या deserve करते हैं।

अंत में, मैं एक बात और कहना चाहूँगा। ये सारी बातें, मैं आप से मिल कर या फ़ोन पर भी कर सकता था, परन्तु चुनाव मे हार के बाद आप कभी मिलने नहीं आये, और पंजाब में रहने लगे। जब मैंने आपको, फ़ोन करने की कोशिश की, तो संपर्क नहीं हो

सत्यमेव जयते

सका और जब दीपावली की शुभकामनायें देने के लिए, मैंने आपको फ़ोन पर संदेश भेजा, तो पता चला कि आपने तो मेरा नंबर ही Block कर दिया है।

एक कहावत है:

"जब किसी से कोई ग़िला रखना, सामने अपने आईना रखना" ।

"**मिलना जुलना जहां जरूरी हो, मिलने जुलने का हौसला रखना**"।

अब आप पंजाब में हैं, और मैं आपके माध्यम से पंजाब की जनता को अपनी शुभकामनाएं देता हूँ।

नव वर्ष और क्रिसमस की अग्रीम शुभकामनाओं सहित,

(विनय कुमार सक्सेना)

श्री अरविन्द केजरीवाल, जी
पूर्व मुख्यमंत्री, दिल्ली
95, लोधी एस्टेट,
नई दिल्ली – 110003